

10/06/2024

जायकी वादी उमर सिंह हाम जरीय डरिफरल  
 जी सुमराम परतुल पाठ फो मिसल तकी  
 स्वीकार किये जाते पर तकी की गडी वादी  
 एवं कही वादी न विवेक किया कि वे  
 वादपत्र को हागे नही करना चाहत तका  
 इसी स्तर पर नोटिस खानि करवाना चाहत  
 है तका इस हाकथ के हाफेजिया पर इतर  
 की किये वादी एवं कही वादी का विवेक  
 स्वीकार कर वाद-पत्र को इसी स्तर पर  
 नोट-पेस खानि किया जाना है जायकी  
 जसल सुमार धनर नवर से कम ध व  
 वाशील दफतर है। Handwritten signature

उपखण्ड अधिवक्ता  
 उदयपुरवाटी (नमक)

दावे नो में  
 आगे बहिनलाना  
 जायती कसीसत  
 पर खारीज करवाना  
 चाहता हूँ  
 उमराम

12  
 वादी  
 तिका  
 1170